(b) if so, the time by which the petrochemicals plant is likely to be set-up particularly in Saurashtra Kutch region; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (c) No request from the Government of Gujarat has been received for setting up a petrochemical plant in the State. A petrochemical cracker complex of Indian Petrochemicals Corporation Limited (IPCL) alongwith its downstream units is already operating at Vadodara. IPCL is also setting up another petrochemical cracker complex and various downstream units at Gandhar in Bharuch district of Gujarat. In the private sector, M/s. Reliance Industries Limited (RIL) has set up manufacturing facilities for Monoethylene Glycol (MEG), Polyvinyl Chloride (PWC) and High density Polyethylene (HDPE/Linear Low Density Polyvethylene (LLDPE) at Hazira, district Surat, Gujarat. A humber of other petrochemical projects including a cracker complex, PTA plant, PSF plant etc. are also being implemented by RIL in the State of Gujarat. The RIL is also-setting up another major petro-chemical crecker complex alongwith its downstraem units at Jamnagar in Saurashtra-Kutch region of Gujarat state.

दवाओं में मूल्यों में वृद्धि

6595. श्री अन्नतराम जायसवाल:
श्री सत्य प्रकाश मालवीय :

क्या रसायन एवं उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार निकट भविष्य में दवाओं के मूल्यों में वृद्धि करने का विचार रखती है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और पिछले पांच-छह वर्षों में देश में दवाओं के मूल्यों में कितनी बार और कितनी-कितनी वृद्धि की गई ;

(ख) दवाओं के मूल्यों में कितनी वृद्धि की जाएगी, ऐसी दवाओं का ब्यौरा क्या है और बढ़ाए गए मूल्य कब से लागू होंगे;

(ग) क्या सरकार जीवन रक्षक दवाओं सहित सामान्य परिस्थिति में उपयोग में लाई जाने वाली दवाओं के मूल्यों में वृद्धि करने का विचार रखती है; और

(घ) सरकार दवाओं के मूल्यों में होने वाली वृद्धि को रोकने व आम जनता को उक्त मूल्य वृद्धि के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए एवं सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता निश्चित करने और सामान्य जनता को बाजार में उचित मूल्य पर दवाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठा रही है ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) से (घ) सूत्रयोगी की कीमतें औषध (कीमते नियंत्रण) आदेश, 1995 के उपबन्धों के अनुसार निर्धारित की जाती हैं। "औषध नीति, 1986 में संशोधनों" में सितम्बर, 1994 में घोषित उपायों और औषध (कीमत नियंत्रण) आदेश, 1995 का उद्देश्य अच्छी गुणवत्ता की आवश्यक एवं जीवनरक्षक और रोग निरोधक दवाईयों की उचित मूल्यों पर पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

मध्य प्रदेश में उर्वरक उद्योग का उत्पादन

6596. श्री मूलचन्द मीणा : क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में उर्वरक उद्योग का उत्पादन इसकी उत्पादन क्षमता के अनुरूप नहीं है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) उसकी उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं ?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) से (ग) मध्य प्रदेश में मात्र मुख्य उर्वरक

एकक विजयपुर (गुना जिला) में स्थित है और यह नेशनल फर्टिलाइजर्स लि० (एन०एफ०एल०) के स्वामित्व में है। यह 1988 में इसके आरंभण से ही इसकी स्थापित क्षमता से 100 प्रतिशत से अधिक पर चल रहा है। मैसर्स एन.एफ.एल. इस समय 987.3 करोड़ रु० की अनुमानित लागत पर प्रति वर्ष 7.26 लाख टन यूरिया की अतिरिक्त मात्रा के उत्पादन के लिए विजयपुर स्थित अपने अमोनिया-यूरिया संयंत्रों की क्षमता दुगुनी करने की परियोजना कार्यान्वित कर रहा है।

रासायनिक उर्वरक के निर्माताओं को राज सहायता की बकाया राशि

6597. श्रीमती सषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि पिछले तीन वर्षों के दौरान लगभग प्रत्येक वर्ष रसायन उर्वरकों के निर्माताओं को दी जाने वाली राजसहायता की राशि बकाया रही है ;

(ख) यदि हां, तो मार्च, 1992 मार्च, 1993 मार्च 1994 और मार्च 1995 में ऐसी बकाया राशियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि उर्वरक निर्माताओं को समय पर राजसहायता की राशि न प्राप्त होने से देश का उर्वरक उत्पादन प्रभावित होता है;

(घ) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(ङ) क्या सरकार समय पर निर्माताओं को राजसहायता की राशि उपलब्ध कराने तथा प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचार के अवसरों पर समाप्त करने के लिए वर्तमान प्रशासनिक प्रक्रिया में सुधार करने का विचार रखती है यदि नहीं तो, उसके क्या कारण हैं?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो) : (क) और (ख) संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए बजटीय आबंटनों के अन्तगत निर्माताओं को आर्थिक सहायता भुगतान जारी किए जाते हैं। निधियों की कमी के कारण कुछ राशियां बाकी रह जाती हैं किन्तु उनका अगले वर्ष के दौरान भुगतान कर दिया जाता है। गत चार वर्षों के अन्त की स्थिति के अनुसार निर्माताओं से प्राप्त दावों के संबंध में बकाया आर्थिक सहायता के ब्यौरे निम्नानुसार हैं :–

दिनांक	राशि (रु० करोड़ों में) (लगभग)
31 मार्च, 1992	125
31 मार्च, 1993	245
31 मार्च, 1994	500
31 मार्च, 1995	930

(31 मार्च 1995 को बकाया राशियों की मात्रा उच्च थी क्योंकि वर्ष के दौरान जारी छठी मूल्य निर्धारण अधिसूचनाओं के कारण गत वर्षों के लिए वृहत राशियां देय हो गयी थी।)

(ग) और (घ) इस आशय की कोई सूचना नहीं है कि राजसहायता भुगतानों के जारी करने में विलम्ब के कारण नियंत्रित उर्वरकों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

(ङ) निधियां उपलब्ध होने के अध्यधीन राजसहायता के भुगतान के लिए सभी दावे दावा मिलने की तिथि के 60 दिनों के अन्दर चुकता कर दिए जाते हैं यदि औपचारिकताये सब प्रकार से पूर्ण हों। तथापि बजटीय बाधाओं के कारण, इस भुगतान समय सारिणी का पालन करना हमशा संभव नही होता।